आज की अव्यक्त मुरली का सार ---------- Date: 03-08-14

सर्व शक्तिओ के खजानों की चाबी है - एकनामी बनना.

बापदादा हमें कैसा देखते हैं?

बापदादा सदा बच्चों की तकदीर को देख हर्षित होते हैं. वाह तक़दीर वाह. ऐसी श्रेष्ठ तक़दीर जो बाप को भी अपने स्नेह सम्बन्ध से निराकार से साकार बना लेते. आवाज से परे बाप को आवाज में लाते. स्वयं भगवान को जैसा चाहे वैसे स्वरूप में लाकर मालिक से सेवाधारी बना लेते. बाप के सर्व खजानों के अधिकारी बनने की वा बाप को स्वयं पर समर्पण कराने की चाबी बच्चों के हाथ में हैं, जिस चाबी द्वारा जो चाहे एक सेकेण्ड में प्राप्त कर सकते हो. जब रचयिता ही सेवाधारी बन गए तो सर्व रचना आप श्रेष्ठ आत्माओं के आगे सेवा के लिए बाँधी हुई हैं.

अभी हम स्वयं में चेक करें -

बापदादा ने आगे कहा -- ऐसी चाबी को सम्भालने वाले नॉलेजफुल और सेन्सीबुल बने हो?

आप ईश्वरीय सन्तान मास्टर रचयिता, मास्टर सर्वशक्तिमान के आगे यह प्रकृति और परिस्थिति को दासी बनाई है?

अपने साइलेन्स की शक्ति को अच्छी तरह से जानते हो? या बहुत शक्तियों मिलने के कारण उनके महत्व को भूल जाते हो?

परमात्म शक्ति को अपना बना सकते, रूप परिवर्तन करा सकते हो तो प्रकृति और परिस्थिति का रूप और गुण परिवर्तन नहीं कर सकते हो?

तमोगुणी प्रकृति को स्वयं की सतोगुणी स्थिति से परिवर्तन कर सके या परिस्थिति पर स्व शक्ति से विजय पा सके ऐसे मास्टर रचता शक्तिशाली बने हो?

क्या हैं चाबी की विशेषतायें और इसे युज करने का तरीका?

बापदादा ने हर बच्चे की रीसैप्शन में बच्चों को स्वयं की और खजानों की चाबी आने से ही दे दी है.

- ऐसे जादू की चाबी जिससे जिस शक्ति का आह्वान करो उस शक्ति का स्वरूप बन सकते हो.

- एक सेकेण्ड में इस जादू की चाबी द्वारा जिस लोक में जाने चाहो, उस लोक के वासी बन सकते हो.

- जिस काल को जानने चाहो उस काल को जानने वाले रुहानी ज्योतिषी बन सकते हो.

- संकल्प शक्ति को जिस रफ्तार से जिस मार्ग पर ले जाना चाहो उसी रीति से संकल्प शक्ति के अधिकारी बन सकते हो.

एकनामी बनना ही चाबी को लगाने का तरीका है. चाबी लगाओ और खजाना लो.

कोई भी कर्म करने से पहले जैसा कर्म वैसी शक्ति का आवाहन इस चाबी द्वारा करो - तो हर शक्ति आप मास्टर रचता की सेवाधारी बन सेवा करेगी. शक्ति का आवाहन करो अर्थात मालिक बन आर्डर करो. यह शक्तियों आपकी भुजायें समान हैं, आपकी भुजायें आपके आर्डर के बिना कुछ नहीं कर सकती हैं. जैसे की आर्डर करो सहनशक्ति कार्य सफल करो तो देखो सफलता सदा हुई पड़ी है.

अन्त में बापदादा ने कहा ऐसे श्रेष्ठ तक़दीरवान रुहानी शक्ति स्वरूप मास्टर रचता, प्रकृति और परिस्थितियों को अधिकार से विजय पाने वाले, सदा विजयी बच्चों को बापदादा का यादप्यार और नमस्ते. ऐसा बनाने वाले बापदादा को हम बच्चों का भी यादप्यार और नमस्ते.

शुक्रिया बापदादा आपका लाख-लाख शुक्रिया.

ॐ शांति.